Roll No. .... Total Pages: 03

1606

B. A./B. Ed. (First Year) Examination, 2019

हिन्दी साहित्य

(मध्यकालीन काव्य)

Time: Three Hours

Maximum Marks: 60

Instructions –

Attempt **five** questions in all, selecting at least **one** question from each unit. The answer of essay type questions should not be more than **400** words and short answer type of questions in not more than **150** words. All questions carry equal marks.

निर्देश –

प्रत्येक इकाई में से कम–से–कम **एक** प्रश्न का चयन करते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। निबन्धात्मक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 400 शब्दों में और लघुत्तरात्मक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

इकाई – I

प्र.1 निम्नलिखित काव्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए –

(क) चढ़ा असाढ़ गगन घन गाजा। साजा बिरह दुंद दल बाजा। (6)

धूम स्याम धौरे घन आए। सेत धजा बगु पाँति देखाए।

खरग बीज चमकै चहुँ ओरा। बूंद बान बरिसै घन घोरा।

अद्रा लाग बीज भुइँ लेई। मोहि पिय बिनु को आदर देई।

ओनै घटा आई चहुँ फेरी। कंत उबारू मदन हौं घेरी।

(ख) अब कैसे छूटै राम नाम रट लागी। (6)

प्रभु जी, तुम चंदन हम पानी, जाकी अंग अंग बास समानी।

प्रभु जी, तुम घन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा।

प्रभु जी, तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरै दिन राती।

प्रभु जी, तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सुहागा।

अथवा

(क) संदेसनि मधुवन कूप भरे। (6)

अपने तो पठवत नहिं मोहन, हमरे फिरि न फिरै।।

जिते पथिक पठए मधुवन कौं बहुरि न सोध करे।।

कै वे स्याम सिखाई प्रबोधे कै कहुँ बीच मरे।।

कागद गरे मेघ मसि खूटि सर दौ लागि जरे।

सेवक सूर लिख न सको आँधो पलक कपाट अरे।।

(ख) सेस गनेस महेस दिनेस, सुरेसहु जाहि निरंतर गावै। (6)

जाहि अनादि अनंत अखंड, अछेद अभेद सुबेद बतावैं।।

नारद लै सुक व्यास रटै, पछि हारे तऊ पर पार न पावै।

ताहि अहीर की छोहरियाँ, छछिया भरि छाछ पै नाच नचावै।।

इकाई – II

प्र.2 'कबीर की काव्यकला' विषय पर एक लेख लिखिए। (12)

अथवा

प्रमुख संत कवियों का परिचय दीजिए। (12)

इकाई – III

प्र.3 तुलसीदास की समन्वय भावना की समीक्षा कीजिए। (12)

अथवा

(क) सूरदास के भक्तिभाव पर टिप्पणी लिखिए। (6)

(ख) सूरदास के काव्य के कलापक्ष को उजागर कीजिए। (6)

इकाई – IV

प्र.4 ''रसखान, रस की खान हैं।'' समीक्षा कीजिए। (12)

अथवा

मीरा और रसखान के भक्तिभाव का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए। (12)

इकाई – V

प्र.5 काव्यदोष का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए प्रमुख काव्यदोषों के लक्षण एवं उदाहरण दीजिए। (12)

अथवा

(क) उपमा और उत्प्रेक्षा अलंकारों के लक्षण और उदाहरण लिखिए। (6)

(ख) लक्षणा और व्यंजना शब्द शक्ति में क्या अंतर हैं? उदहारण सहित समझाइए। (6)